BIHAR बिहार

INDIA NON JUDICIAL

७५० रु.

Rs 750

भारत

सात सो पचास रूपया SEVEN HUNDRED & FIFTY RUPEES

Affidavit sworn before Executive Magistrate, Patna ..... vide No. 2802/2802 dt. 11.5.82

2803,

Stamp duty paid under the Indian Stamp Act 1899 - 950 Rs
Additional stamp duty paid under the Bihar Town Improvement Trust Act 1951 - 1000 Rs

वादी

प्रतिवादी

वादी

प्रतिवादी

वादी

प्रतिवादी

BIHAR

750 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

७५० रु.

Rs 750

भारत

सात सौ पचास रूपया SEVEN HUNDRED & FIFTY RUPEES

	९	गंज पत्थलम गुलजार बाग जिला पटना ! चन्धा कृषी काम के है ! --
	२	श्रीमति कुमुद पान्डेय पति का नाम श्री दिवाकर पान्डेय जिवीत निवासी ग्राम खती पुर अन्तगत थाना गहमर जिला गाजीपुर (यू॰पी॰) चन्धा यूह काम के है !
	३	निर्विवाद विक्रय पत्र (केवाला बम॰ला॰ फलाम) (Absolute Sale Deed)
	४	अंकन॰ 20000) बीस हजार रूपया मात्र !

दस्तावेज लेखन चासिया एंव दूरा पता लेखन जमा

200Rs.

अंतःफल कट्ठा चुर चुरकी 3
४ - x - x

चार कट्ठा जमीन अराजी
कास्त रैयती नकदी काश्मी।--
सम्पत्ति अवस्थित ग्राम खंदलपुर
अन्तर्गत थाना आलम गंज जिला
पटना। अबर निबंधन कार्यालय
पटना सिटी, जिला निबंधन कार्यालय
बाँकीपुर पटना। सम्पत्ति पटना
नगर निगम विकास प्राधिकार के अन्दर
है। जिसका तौजी संख्या 202
(तीन सौ तीन) थाना संख्या 11 (ग्यारह)

स्वघोषणा का स्वरूप निम्नवत है-

पु

200Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२०० रु.

Rs 200

सत्यमेव जयते
भारत

दो सौ रुपये TWO HUNDRED RUPEES

४

खाता संख्या- ५२५ (पाच सौ उनचीस)

खसरा संख्या- ११०५ (एक हजार एकसौ पाँच) का पा। व जमीन्दारी बिहार सरकार बजरिए अंचलाधिकारी सदर पटना। मजकी का वार्षिक लगान अंकेन रु० ५० २- ०० नया पैसा देता है।

महफि उपरोक्त सम्पोत्ति कृषी भूमी है, वो आज तारिख तक कृषी कार्य में है। वो सरकार द्वारा इसपर कोइ प्रकार का भोजना नहीं है।

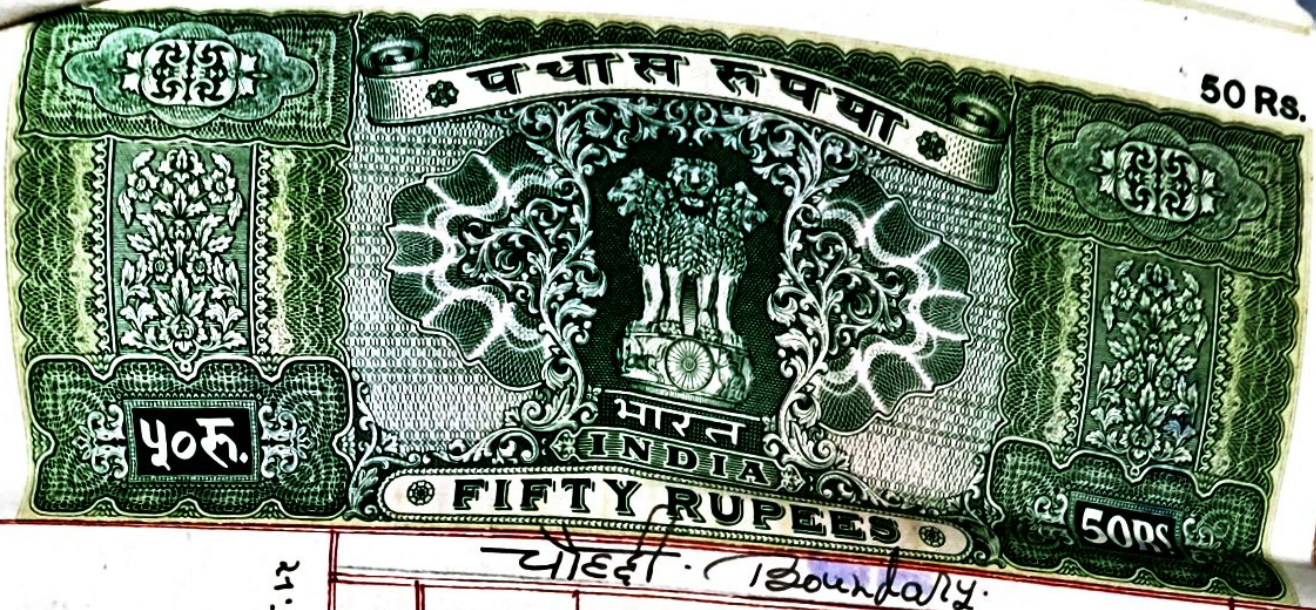

चौहद्दी (Boundary)

North	उत्तर	नं० २३४० परशुराम नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि० की खरिद की हुई जमीन।
South	दक्षिण	श्री गहनु महतो। मकान
East	पूरब	अलंग।
West	पश्चिम	नीज लेख्यकारीगण।

मद कि उपरोक्त खाने संख्या २ की वर्णीत सम्पत्ति लेख्यकारीगण का मौरूसी है। जिसपर लेख्यकारीगण इजमाल काबिज है। वीनाम

मो. ९१५-८२

Scanned with CamScanner

North	उत्तर	प्लॉट नं० २३४० परशुराम नगर सहकारी गृहनिर्माण समिति लि० की खरिद की हुई जमीन।
South	दक्षिण	श्री गहनु महतो। प्लॉट नं० ए
East	पूरब	अलंग।
West	पश्चिम	नीज लेख्यकारीगण।

महकि उपरोक्त खाने संख्या २ की वर्णीत सम्पत्ति लेख्यकारी गण का मौरूसी है। जिसपर लेख्यकारी गण इजमाल काबिज है। वो नाम

अंचलाधिकारी बगौरह में दर्ज होकर रसीद लेख्यकारी संख्या 7 के पिता के नाम से कट रहा है। जिसका रसीद जमाबंदी संख्या 1265 रकबा 0.02, 0.23 है० है। लेख्यकारीगण की जरूरत रुपया का वास्ते आदाम महाजन की चन्द काम के है। इस वास्ते लेख्यकारीगण बखुशी तमाम अपना पुरा नफा नुकसान हाल की आइन्दा का बखुबी सोच समझकर की अपने अपने मानसिक की शारिरिक खस्म आबस्मा में रहकर की राय कानुनी सलाहकारों एंव परिवारों से लेकर उपरोक्त रकबे संख्या 2 की वर्णीत सम्पत्ति का बखदल जरश्मंन अंकेन 20000) बीस हजार रुपया में साथ लेख्य धारिणी खाना संख्या 2 के बेचा की निर्विवाद विक्रय

पन्नाक्रिमा / वी जरशम्मेन का कुल रुपया
सही. वी निशान अंगूठा उपर वसीका बिक्रम
पत्र पर बनाने के समय इजमालन वसुल
पाया / व वसुल कुल रुपया के उपरोक्त रवाने
संख्या - ५ की वर्णीत सम्पोत्ति पर रबरिदारा
आज तारिख से काबिज होकर जीस तरह
उचीत समझे अपने - व्यव्हार मे लाव / वा
नाम - अपना जँहा - जँहा जरूरत समझे -
वरबरिज नाम लेख्मकारी संख्या - १ के पिता
के स्थान पर लेख्म धारिणी अपना नाम
अंकित करा लें / ---x---x---

यह कि लेख्मकारीगण ने लेख्म धारिणी
को यह विश्वास दिलाया है कि उपरोक्त रवाने -
संख्या - ५ की वर्णीत सम्पोत्ति आज तारिख रजिस्ट्री
वसीका बिक्रम पत्र तक हर तरह के कृण भार

वो नुस्खा हकीमत से बिलकुल मुक्त है।
अगर बाद रजिस्ट्री बरसीका बिक्रम पत्र की
कोइ प्रकार का त्रुटि गार या नुस्ख हकीम
वामा जाए, जिससे खरिदार की सम्पत्ति
की कुद्द भी भाग अथवा पुरा भाग सदखल
से बदखल होना पड़े, तो खरिदार को हक
होगा, कि अपना कुल जरशम्मन असल
अलावे सुद कानुनी फिसद अंकेन १)
एक रुपया महावारी लगाकर लेखमकारीगण
की जात वो दुसरे जायदाद चल तथा अचल
नामी वो बेनामी सम्पत्ति से मै खचो अदालत
वसुल कर लेगी। इस समय लेखमकारीगण
या वारसान लेखमकारीगण को किसी प्रकार
का उजुर एतराज ना है, वो ना आइन्दा होगा।
अगर करेंगे, तो वह वमुकाबले इस बरसीका

2-4-16 : 10

बिक्रम पत्र के नाजायज समझा जाएगा।

अतः यह वसीका निर्विवाद बिक्रम पत्र वहक वा वनाम लेखम धारिणी रवाना संख्या २ मानी श्रीमति कुमुद पान्डेय के लिख दिया कि सनद पर काम आवे।

लेखक: अनिल कुमार लिखा, खातेकुमा गैंन पानी वरकरार लेखम कारायत लिखा, यह इस वसीका के लेखन की कार्य पंक्ति का संख्या संख्या दी।

लेखन तिथि 11 माह मई सन 2025 ई

Page 11 of 11

पटना काषागर, पटना।

मूल्य 1950

नाम श्रीमती सुमुद पाण्डेय

पिता/पति श्री दिवाकर पाण्डेय

ग्राम / महल्ला बेवतीपुर

थाना मरुमर

जिला गाजीपुर (यू.पी.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

2000रु.

Rs 2000

दो हजार रुपये TWO THOUSAND RUPEES

१) नाम मोकिरान :-

१). श्री लक्ष्मण महतो, वल्द स्वर्गीय सोहराई महतो

२) श्री देवी प्रसाद सिन्हा वल्द श्री लक्ष्मण महतो जाति कोयरी साकिनान मल्ला मठलक्ष्मणपुरी थाना आलमगंज डाकघर गुलजारबाग जिला पटना । पेशा खेती भारतीय नागरिक ।

Scanned by CamScanner

पटना कोषागार, पटना

मूल्य

नाम श्रीमती कुमुद पाण्डेय

पिता/पति स्व० रविन्द्र पाण्डेय

ग्राम/महल्ला रुपनी

थाना आदापुर

जिला गोपालगंज (रुपनी)

हस्ताक्षर

43/658

Gm-

658

स: एल धीमन महतो।

27-4-20

230 V. 17/8

स: एल धीमन महतो

27-4-20

231/ V17/8

स: देवी प्रसाद सिन्हा

दि:- 27-4-20

Scanned by CamScanner

750Rs.

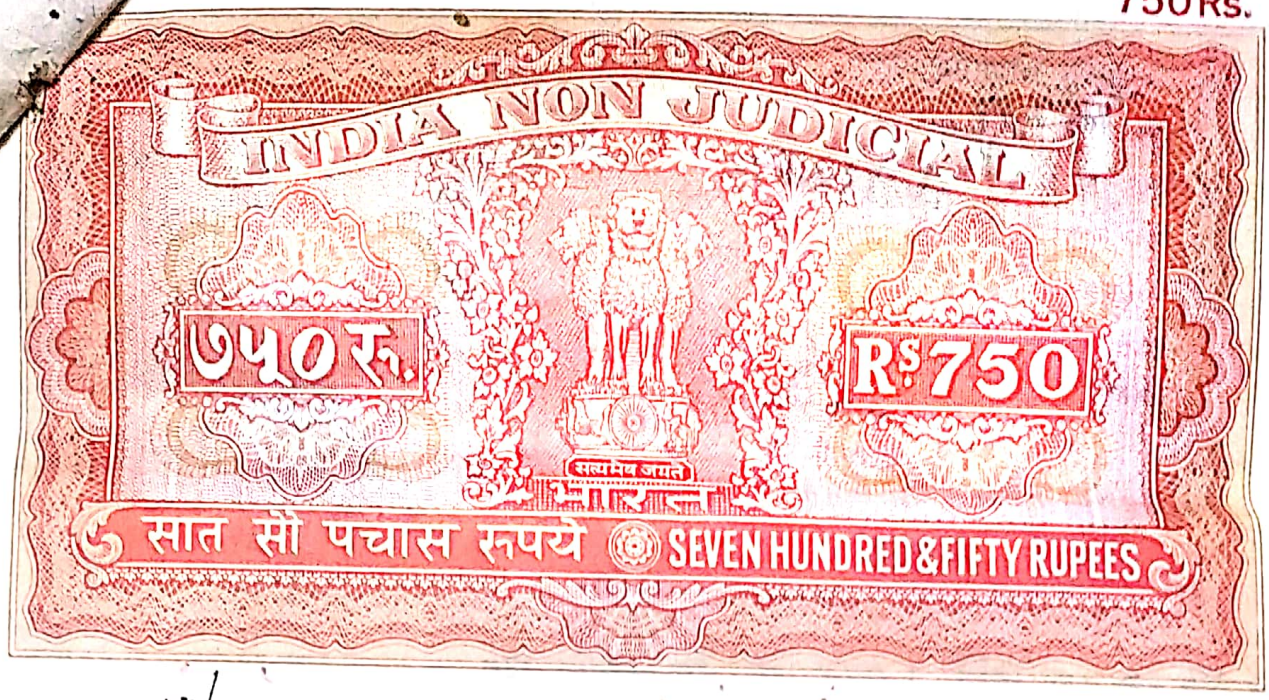

२) नाम मौकिर बलेहा:- Smt. KUMUD PANDEY श्रीमती कुमुद पान्डेय, जौजे श्री दिवाकर पान्डेय, जाति बहमरा साकिन मौजा रंवतीपुर थाना गहमर जिला गाजीपुर (यू० पी०)। हाल मौकाम सन्दलपुर पेशा- गृहणि भारतीय नागरीक।

३) किसीम वसीका :- कैवालावैयलाकलामी।

४) जर सम्मन :- मो० ३०,०००)रू० (तीस हजार रुपये) मात्र जिसका आधा १५,०००)रू० (पन्द्रह हजार रूपये) मात्र होता है।

५) सैय मुवैया:- मवाजी १ कट्ठा ६ धूर ६ धुरकी (एक कट्ठा छव धूर छव धूरकी) राजी रैयती कायमी नकदी कृषि भूमि जो अभी कृषि कार्य में है। वाके मौजा सन्दलपुर थाना बालमगंज, सब रजिस्ट्र पटनागंजटी

Scanned by CamScanner

पटना कोषागार, पटना

मूल्य 25/-

नाम श्रीमती कुशुम पांडेय

पिता/पति

ग्राम/महल्ला

थाना

जिला

16558

मुद्रांक लिपिक

232 16/12

जाराधना महतो

ता:- 16-4-22

Scanned by CamScanner

(३)

सब्र रजिस्ट्री वो जिला पटना । तौजी न०- ३०३ तीन सौ तीन) थाना न०- ११ ग्यारह साता न०- ५२६ (पांच सौ उनतीस खसरा न०- ११०५ का अंश (एक हजार एक सौ पांच का अंश) । व जमीन्दारी बिहार सरकार बंचल सदर पटना मालगुजारी सालाना ६५ पैसा मात्र जिसका जमीन्दार रसीद न०- १२६६ तारीख 31-3-८५ है । मू अभिलेख मे कृषि भूमि दर्ज है अौर अभी भी कृषि कार्य हो रहा है । पटना मास्टर प्लान से बाहर है ।

चौहद्दी :-

उत्तर :- परशुराम नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि० की खरीद की हुई जमीन प्लौट २३४० ।

दखिन:- गहनु महतो प्लौट न०- ११०६

पूरव:- खरिदार मजकुर

पश्चिम:- परशुराम नगर

म ज वू न

यह कि सैय मुबैया मोकिरान का मारुसी सम्पत्ती है । जिस पर मोकिरान व हालत इजमालकावीज हैं । वो बंचलाधिकारी में नाम दर्ज होकर रसीद मोकिर न०-१ के पिता के नाम से कट रहा है । जिसका रसीद जमीन्दारी सख्या १२६६ है । जरुरत रुपया का वास्ते

Scanned by CamScanner

पटना कोषागार, पटना

मूल्य ₹500/-

नाम श्री कुशवाहा

पिता/पति

ग्राम/महल्ला

थाना

जिला

मुद्रांक विक्रि 1858

Scanned by CamScanner

(४)

वास्ते अदाय महाजन वो बनवाने मकान वो चन्द कार्य जरूरी के है। इस वास्ते मोकिर ने बिक्री का प्रचार किया। वो बात साथ मोकिर अलेहा के तय होकर. मो० ३०,०००)रू० (तीस हजार रूपये) मात्र तय पाया जो यही कीमत बिल्कुल वाजीब हैं। वो इससे जादा कीमत दूसरा आदमी देने को तमाइा भी नहीं है। इस वास्ते मोकिरान व खुशी तमाम अपना पुरा नफा वो नुक्सान हाल वो आइन्दा को व खुबी समझ बूझ कर सैय मुबैया खाना न०-५ को मो० ३०,०००)रू० (तीस हजार रूपये मे बदस्त मोकिर अलेहा मुन्देर्ज खाना न०-२ के बेचा वो बैय लाकलामी किया। वो कुल जर सम्मन मकबत बनाने सही वो निशान अगूंठा उपर वसीका हाजा के मोकिर अलेहा से इजमालन वसूल पाया। चाहिर कि मोकिर अलेहा आज तारीखसे सैय से सैय मुबैया पर काबीज होकर महासिल पैदावार का हुआ करें

पटना कोषागार, पटना

मूल्य ₹ 2.00

नाम श्रीमती कुंजर पांडेय

पिता/पति .....

ग्राम/महल्ला .....

थाना .....

जिला .....

मुद्रांक तिथि 1.3.88

Scanned by CamScanner

20 Rs.

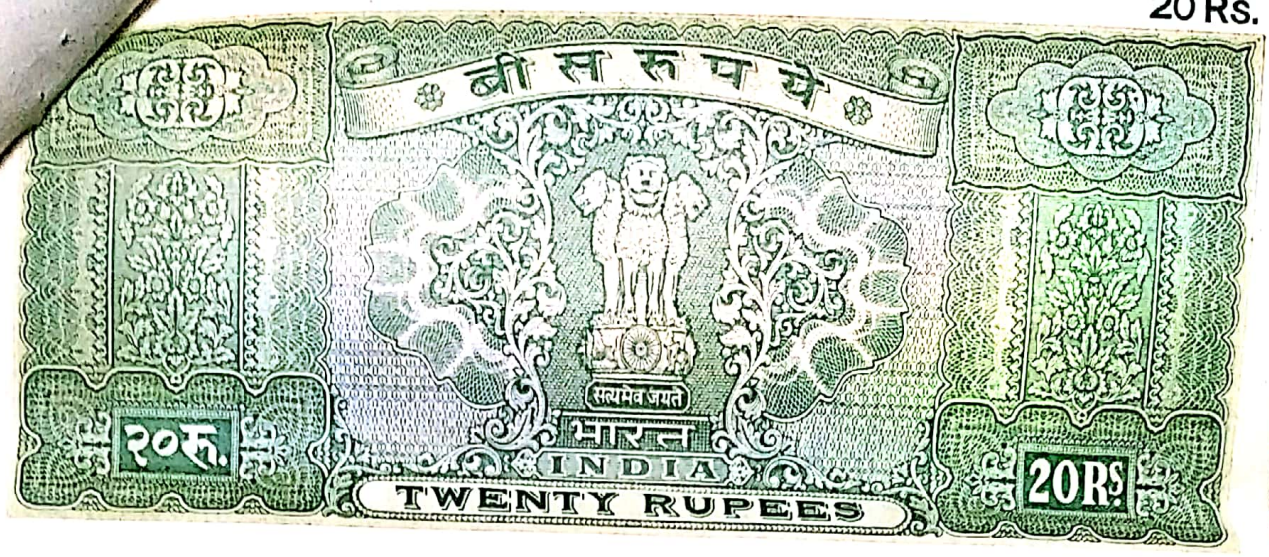

या जिस तरह मुनासिब समझे अपना मसरफ में

लावे । वो नाम अपना खरीदारा व सिरीस्तेदारी

जमीन्दारी या जहां - जहां जरूरत समझे

व खारीज नाम मोकिरान मोयकर अलेहा अपना नाम

दर्ज करा लेगी । मोकिरान ने मोकिरअलेहा को

विश्वास दिलाया है कि सैय मुर्वया आज तारीख तक

हर तरह के वारदेन वो नुक्सानकीयत से बिल्कुल पाक वो साफ है ।

Scanned by CamScanner

पटना कोषागार, पटना

पुत्र/पत्नी/पुत्री

नाम श्रीमती कुसुम पांडेय

पिता/पति

ग्राम/मोहल्ला

थाना

जिला

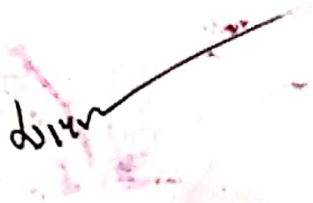

Scanned by CamScanner

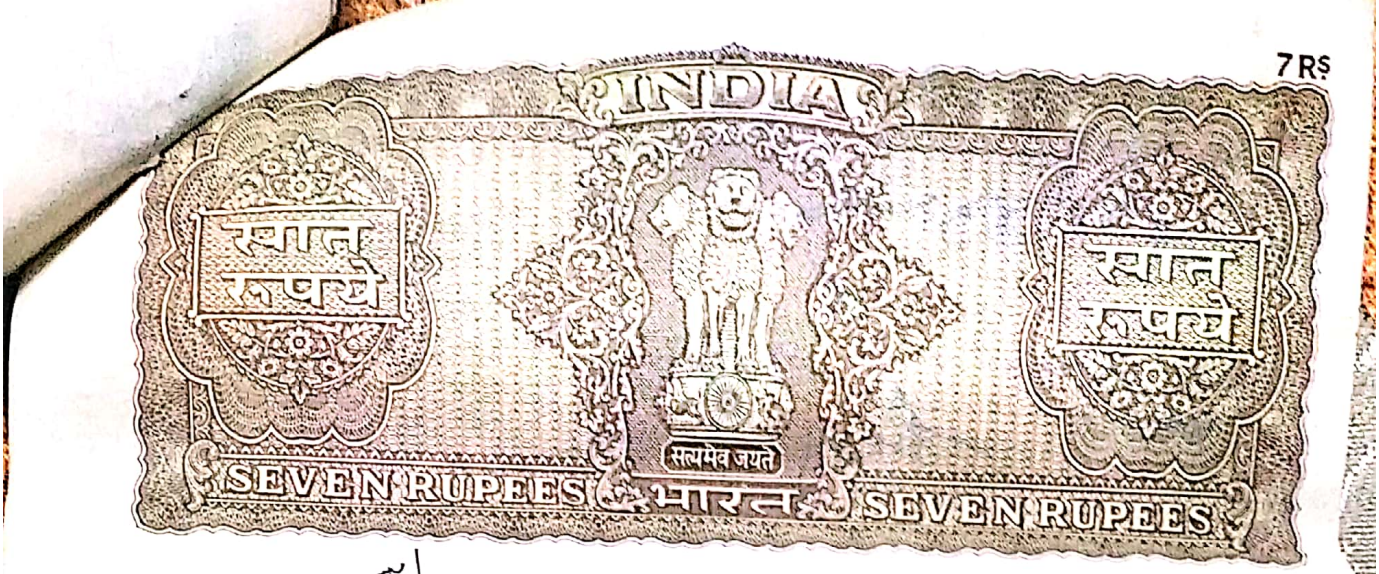

अगर वाद तामील वसूली का होजा पाया जावे या कुल साढ़े कुल सैय मुन्वैया से मोकिर अलैहा को दखल से बेदखल होना पड़े तो वैसी हालत में मोकिर अलैहा को अख्तियार है वो होगा कि कुल जर सम्मन असल में सूद कानूनी लगा कर मैं सर्वा अदालत

मोकिरान से जात वो दिगर जायताद मनकुला वो गैर मनकुला

नामी वो बेनामी से मोकिर अलैहा खाहवारसान कायम मोकामियान मोकिरान के वो वारसान कायम मोकामियान मोकिरान से वसूल वो बेबाक कर लेगी । उस वक्त मोकिरान खाह वारसान

को किसी तरह का उजूर नही होगा वो न हैं । इस वास्ते

यह वसूली का कबालाबैयलाक्लामी वो अपने खुशी वो हवास

में बिला दबाव नाजायज किसी दूसरों के लिख दिया कि समय पर काम आवे ।

Scanned by CamScanner

पटना कोषागार, पटना

पुत्र ....

नाम ....

पिता/पति ....

ग्राम/मुहल्ला ....

थाना ....

जिला ....

मुद्रांक लिपिक

Scanned by CamScanner

(2)

वो म्याजी १ धूर बराजी कास्त रैयती नक्दी कायमी वाके मौजा सव्वलपुर थाना वो सव रजिस्ट्री सोनपुर थाना न०- ११० तौजी शामिलात खाता कायम नहीं है। खसरा न०- १२०८ अंचल सोनपुर मालगुजारी १० नया पैसा मात्र। उत्तर डगर दखिन- नीज पूरव नीज पश्चिम अलग।

(स्व० के० पी० सिन्हा)
टंकक, पटनासिटी

दिनमंक १७-५-१९८९।

17/5/89

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner